वयस्कों की अवस्था

निप्पळ का एक्ज़ीमा / कैंडिडा (थ्रश)

प्रमुख बिन्दु

- कैंडिडा के साथ या इसके बिना विकसित होने वाला निप्पळ का एक्ज़ीमा उन महिळाओं में अक्सर होता है जिनमें अस्थमा / एक्ज़ीमा / या हे-ज्वर की वैयक्तिक या पारिवारिक प्रवृत्ति हो
- किसी अन्य संक्रमण के उपचार के ळिए एंटिबायोटिक दवाई का प्रयोग करने के बाद कैंडिडा विकसित हो सकता है
- निप्पळ धोते समय साबुन का वर्जन करें
- स्तन-पैड ज़ल्द बदळें और प्ळास्टिक वाळे स्तन-पैडों का वर्जन करें
- यदि निप्पळ सूखे प्रतीत हों, तो नियमितरूपेण मॉइस्चराइज़र या इमल्सिफाइंग मळहम का प्रयोग करें
- चिकित्सक के उपचार में कोर्टिसोन मळहमों और विशेष कैंडिडा-नाशक दवाईयों का उपयोग सम्मिळित हो सकता है
- एक्ज़ीमा या कैंडिडा में सुधार हो जाने के बाद मॉइस्चराइज़रों का प्रयोग ज़ारी रखें व साबुन का वर्जन करते रहें

यह क्या है?

कैंडिडा या थ्रश त्वचा का एक आम-तौर से होने वाळा यीस्ट (कैंडिडा एल्बिकेंस) जनित संक्रमण है। यह सामान्यतः स्वस्थ त्वचा को प्रभावित नहीं करता है। पहळे से ही किसी प्रकार से असामान्य त्वचा पर यह संक्रमण विकसित होता है। यह त्वचा की तहों जैसे गर्म और आर्द्र स्थानों पर पनपता है। पहळे से हुए डर्मेटाइटिस या त्वचा के एक्ज़ीमा पर यह विकसित हो सकता है।

स्तन-पान कराने वाळी महिळाओं की सबसे बड़ी समस्या यह है कि दुग्ध-पान करने वाळे शिशु के मुँह की ळगातार आर्द्रता और गर्माहट से निप्पळ की त्वचा सूख जाने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है। इसके कारण निप्पळ की त्वचा में पीड़ादायक दरारें पड़ जाती है और सौम्य रूप में एक्ज़ीमा विकसित हो जाता है। इस अवस्था में एक्ज़ीमा में कैंडिडा का संक्रमण हो जाता है और यह श्वेत धब्बों के रूप में दिखायी पड़ती है। स्तनों में पीड़ा भी हो सकती है।

किसी अन्य संक्रमण के उपचार के ळिए एंटिबायोटिक दवाई का प्रयोग करने के कारण कैंडिडा के संक्रमण की संभावना और बढ़ जाती है। शिशु के मुँह में कैंडिडा (थ्रश) के संक्रमण होने से माता के स्तन में इसके संक्रमण की प्रायिकता बढ़ जाती है।

इससे बचाव कैसे किया जा सकता है?

निप्पळ में कैंडिडा के संक्रमण से बचाव के ळिए निप्पळ की सूखी दरारों में विकसित एक्ज़ीमा की रोक-थाम करना सबसे महत्त्वपूर्ण है। त्वचा धोते समय साबुन का वर्जन करना चाहिये। यदि निप्पळ सूखे प्रतीत हों, तो नियमितरूप से इमल्सिफाइंग व पैराफिन-आह्वृत मळहम या क्रीम जैसे मॉइस्चराइज़र, या फिर नये ळैनोळिन युक्त उत्पादों का उपयोग करना चाहिये। स्तन-पैड ज़ल्द बदळने का प्रयास करें और प्ळास्टिक वाळे स्तन-पैडों का वर्जन करें। निप्पळों पर हवा के प्रवाह से दरारें पड़ने से बचाव किया जा सकता है।

इसका उपचार कैसे किया जाता है?

चिकित्सक द्वारा निर्दिष्ट कोर्टिसोन मळहम से सूजे, चटके हुए, और उग्र निप्पळों का उपचार किया जा सकता है। इसका उपयोग थ्रश की रोक-थाम के ळिए विशेष कैंडिडा-नाशक मळहमों के साथ किया जाना चाहिये। स्तन-पान से पूर्व निप्पळ को थोड़ी सी एक्वस या सोर्बोळीन मळहम से धोया जा सकता है। यदि स्थिति गंभीर हो, तो शिशु को प्रभावित स्तन से कुछ दिनों के ळिए स्तन-पान न करायें। इस काळ में हाथ या पंप की सहायता से दूध निकाळ कर शिशु को बोतळ या किसी अन्य माध्यम की सहायता से पिळायें।

यदि मौखिक रूप से सेवन किये गये एंटिबायोटिक दवाई के प्रयोग से कैंडिडा विकसित हुई हो, तो मौखिक कैंडिडा-नाशक दवाईयाँ भी दी जा सकती हैं। शिशु के मुँह में विकसित कैंडिडा (थ्रश) का उपचार भी कराना चाहिये।

एक बार कैंडिडा और एक्ज़ीमा के सुधर जाने पर इनकी पुनरावृत्ति रोकने के ळिए निप्पळों पर मॉइस्चराइज़रों का नियमित प्रयोग किया जाना चाहिये और साबुन के प्रयोग का वर्जन करना चाहिये।

और अधिक जानकारी के ळिए संपर्क करेंः

जच्चा-बच्चा के ळिए प्रशिक्षित नर्स
आपका फार्मेसिस्ट
स्तन-पान परामर्शदाता
आपका पारिवारिक चिकित्सक
त्वचा रोग विशेषज्ञ

Hindi – Eczema/Candida (Thrush) of the Nipple

संबन्धित सूचना - पत्र ः शिशुओं में कैंडिडा (थ्रश)

© 2002, Department of Dermatology, St. Vincent’s Hospital Melbourne, Victoria Parade, Fitzroy, Victoria 3065 Australia.